हिंदी पाक्षिक
महानगर स्तंभ
RNI NO. RAJHIN/2017/70561

❒ वर्ष-8 ❒ अंक-11 जयपुर, शनिवार 1 जून, 2024 ❒ एक प्रति 5 रुपये ❒ कुल पृष्ठ-4

पहली बार पात्र मतदाताओं के लिए घर से मतदान करने की सुविधा को सभी ने सराहा

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने आम चुनाव 2024 में समावेशिता और पहुंच सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर कदम उठाए हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी पात्र मतदाता शारीरिक या अन्य बाधाओं के कारण मतदान के अधिकार से वंचित न रहने पाए। अब तक, चुनाव के छह चरणों के पूर्ण होने के बाद, दिव्यांगों, वरिष्ठ नागरिकों, ट्रांसजेंडरों, विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह (पीवीटीजी) जैसे विभिन्न वर्गों के मतदाताओं के बीच अपार उत्साह देखा गया। आम चुनाव 2024 में पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और 40 प्रतिशत की मानक दिव्यांगता वाले लोगों के लिए घर से मतदान करने की सुविधा प्रदान की गई थी।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार की अगुवाई में चुनाव आयुक्तों ज्ञानेश कुमार और डॉ. सुखबीर सिंह संधू के साथ पूरे देश में किए गए ठोस प्रयासों से उन राज्यों/केंद्र-शासित प्रदेशों से सफलता की कई कहानियां सामने आई हैं, जहां लोकसभा चुनाव-2024 के छठे चरण तक चुनाव संपन्न हो चुके हैं। सीईसी राजीव कुमार ने कहा, वैश्विक स्तर पर नए मानक स्थापित करते हुए चुनावी प्रक्रियाओं में निरंतर सुधार के लिए प्रयास करना आयोग का दृढ़ संकल्प रहा है। ईसीआई चुनावों को वास्तव में बहुलता और विविधता की भावना को प्रतिबिंबित करने वाला बनाने के लिए दृढ़ संकल्प है, जो हमारे देश का गौरव है। ईसीआई पूरी चुनाव प्रक्रिया में समावेशिता व पहुंच के सिद्धांतों और प्रथाओं को शामिल करने और गहराई से एकीकृत करने के लिए समर्पित है, ताकि समाज के सामने हर जगह अनुकरण के लिए एक उदाहरण स्थापित किया जा सके। मतदाता सूची में पात्र नागरिकों के पंजीकरण और अद्यतनीकरण के लिए दो साल पहले से ही ठोस प्रयास किए जा रहे थे। इन श्रेणियों के मतदाताओं को लक्षित कर विशेष पंजीकरण अभियान, शिविर आयोजित करके यह लक्ष्य हासिल किया गया। ईसीआई ने उन समुदायों के बीच भागीदारी बढ़ाने के लिए एक बहुआयामी रणनीति अपनाई है, जो अपने मतदान के अधिकार से वंचित होने की संभावना रखते हैं।

घर से मतदान करने की वैकल्पिक सुविधा–

घर से मतदान करने की वैकल्पिक सुविधा चुनावी प्रक्रिया में एक आदर्श बदलाव का प्रतीक है और इसे भारत के आम चुनावों के इतिहास में पहली बार उपलब्ध कराया गया है। 85 वर्ष या उससे अधिक आयु का कोई भी पात्र नागरिक या 40 प्रतिशत तक दिव्यांगता वाला व्यक्ति इन चुनावों में डाक मतपत्र के माध्यम से घर से मतदान सुविधा का लाभ उठा सकता है। इस सुविधा को मतदाताओं से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। मुस्कुराते हुए मतदाताओं और उनके घर से आराम से मतदान करने के उनके प्रशंसापत्रों के सुखद दृश्य देश के सभी हिस्सों से सोशल मीडिया पर छा गए हैं। घर से मतदान, मतदान कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों की पूरी टीम की भागीदारी के साथ होता है और मतदान की गोपनीयता को पूरी तरह बनाए रखा जाता है। उम्मीदवारों के एजेंटों को भी मतदान प्रक्रिया देखने के लिए पोलिंग टीम के साथ जाने की अनुमति है।

बाधाओं को दूर करना–

किसी भी बुनियादी ढांचे की कमी को दूर करने के लिए, ईसीआई ने सुनिश्चित किया कि प्रत्येक मतदान केंद्र भूतल पर हो, जिसमें रैंप, मतदाताओं के लिए साइनेज, पार्किंग स्थल, अलग कतारें और स्वयंसेवकों सहित सुनिश्चित सुविधाएं हों। इसके अलावा, ईसीआई के सक्षम ऐप ने दिव्यांगों को मतदान केंद्र पर व्हीलचेयर, पिक-एंड-ड्रॉप और स्वयंसेवकों की सेवाओं जैसी विभिन्न सुविधाओं का लाभ उठाने की सुविधा प्रदान की है। चुनाव की घोषणा के बाद से अब तक, सक्षम ऐप के 1.78 लाख से अधिक डाउनलोड हो चुके हैं। चुनाव आयोग ने दृष्टिबाधित मतदाताओं की सहायता के लिए ईवीएम पर ब्रेल, ब्रेल सक्षम ईपीआईसी और मतदाता पर्ची के लिए भी प्रावधान किए हैं। इसके अलावा, दिव्यांगों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए अंग्रेजी व हिंदी में एक मतदाता मार्गदर्शिका उपलब्ध कराई गई, जिसमें पंजीकरण से लेकर मतदान दिवस तक की सुविधा की प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

भावना में समावेशिता–

मतदान में शारीरिक बाधाओं को दूर करने के अलावा, चुनाव आयोग ने ट्रांसजेंडर, सेक्स वर्कर, पीवीटीजी जैसी कुछ कमजोर आबादी के इर्द-गिर्द सामाजिक बाधाओं और कलंक को दूर करने के लिए भी प्रयास किए, ताकि चुनाव प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। नागरिक समाज के सहयोग से ठाणे जिले द्वारा थर्ड जेंडर (टीजी) मतदाताओं और सेक्स वर्कर व पीवीटीजी जैसे अन्य हाशिए के समुदायों को नामांकित करने के लिए विशेष शिविरों की व्यवस्था की गई थी। पूरे देश में 48,260 से ज्यादा टीजी नामांकित हैं, जिनमें से तमिलनाडु में सबसे ज्यादा 8,467 थर्ड जेंडर मतदाता हैं, इसके बाद उत्तर प्रदेश में 6,628 और महाराष्ट्र में 5,720 टीजी हैं। आयोग द्वारा यथासंभव प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक मतदान केंद्र स्थापित करने का प्रयास किया गया, जिसका प्रबंधन विशेष रूप से दिव्यांग अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। लोकसभा चुनाव-2024 के लिए, देश भर में लगभग 2697 दिव्यांग प्रबंधित मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिसमें उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 302 दिव्यांग मानवयुक्त मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं।

कमजोर समुदायों के लिए पंजीकरण और मतदान को आसान बनाना–

बेघर और अन्य घुमंतू समूह उच्च चुनावी भागीदारी हासिल करने में एक और महत्वपूर्ण जनसांख्यिकी हैं। अपनी विशिष्ट परिस्थितियों के कारण, ये व्यक्ति निवास के प्रमाण की कमी के कारण अनजाने में चुनावी बहिष्कार का अनुभव कर सकते हैं। हालांकि, पिछले दो वर्षों में उनके मतदाता के रूप में नामांकन और मतदान प्रक्रिया में भागीदारी के लिए विशेष प्रयास किए गए। पहले दुर्गम क्षेत्रों में नए मतदान केंद्रों ने बड़े पैमाने पर पीवीटीजी को शामिल किया है। कई राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में, जहां पीवीटीजी बड़ी संख्या में रहते हैं, पीवीटीजी को दूरदराज के क्षेत्रों से मतदान केंद्रों तक पहुंचने में सक्षम बनाने के लिए निःशुल्क परिवहन सुविधाएं प्रदान की गई हैं। एक ऐतिहासिक कदम के तहत, ग्रेट निकोबार की शोम्पेन जनजाति ने पहली बार लोकसभा चुनाव-2024 में मतदान किया।

भागीदारी

चुनावी जागरूकता को बढ़ावा देने और चुनावों में भागीदारी व समावेशिता की भावना पैदा करने के लिए, चुनाव आयोग ने ग्यारह दिव्यांग व्यक्तियों को ईसीआई एंबेसेडर के रूप में नामित किया है, ताकि समुदाय को चुनावी प्रक्रिया में और अधिक शामिल किया जा सके। मतदान कर्मियों को दिव्यांगों की विशेष आवश्यकताओं के बारे में प्रशिक्षित और संवेदनशील बनाया गया है, ताकि चुनावों में भागीदारी और स्वामित्व की भावना विकसित की जा सके। राज्य के सीईओ ने दिव्यांगों और वरिष्ठ नागरिकों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए संबंधित राज्यों के दिव्यांगता और स्वास्थ्य विभागों के साथ भी सहयोग किया। इसके अलावा, ईसीआई अधिकारियों की एक टीम ने ठाणे जिले और मुंबई शहर के कमाठीपुरा का दौरा किया, ताकि इन क्षेत्रों में रहने वाले ट्रांसजेंडर और महिला यौनकर्मियों के साथ खुली बातचीत की जा सके, ताकि चुनावी भागीदारी में उनके सामने आने वाली चुनौतियों को बेहतर ढंग से समझा जा सके, इन मतदाताओं के प्रति फील्ड मशीनरी को संवेदनशील बनाया जा सके और इन मतदाताओं को लोकसभा चुनाव-2024 के दौरान अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

चुनाव आयोग ने दिव्यांग मतदाताओं को लोकसभा चुनाव-2024 में अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु प्रेरित करने के लिए अर्जुन पुरस्कार विजेता और पैरा तीरंदाज सुश्री शीतल देवी को ईसीआई नेशनल आइकन नियुक्त किया। साथ ही, ईसीआई की विभिन्न मतदाता जागरूकता पहलों में भाग लेने और दिव्यांग मतदाताओं तक पहुंचने के लिए ग्यारह प्रमुख दिव्यांग हस्तियों को ईसीआई का एंबेसेडर नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, आयोग ने राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के लिए राज्य दिव्यांग आइकन भी नियुक्त किए हैं।

अंतिम छोर के मतदाताओं तक पहुंचना–

आयोग यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि कोई भी मतदाता पीछे न छूटे और उसने देश के सुदूर कोनों में रहने वाले मतदाताओं तक पहुंचने के लिए विशेष उपाय किए हैं। उदाहरण के लिए, गुजरात के अलियाबेट में एक शिपिंग कंटेनर में एक मतदान केंद्र स्थापित किया गया, ताकि इस क्षेत्र में रहने वाले जनजातीय मतदाताओं तक पहुंचा जा सके। इसी तरह, छत्तीसगढ़ के बस्तर और कांकेर संसदीय क्षेत्रों के 102 गांवों के मतदाताओं ने पहली बार लोकसभा चुनाव में अपने गांव में स्थापित मतदान केंद्र में अपना वोट डाला। इसके अलावा, चल रहे आम चुनाव 2024 में कश्मीरी प्रवासियों द्वारा मतदान की सुविधा के लिए एक बड़े फैसले में, भारत निर्वाचन आयोग ने जम्मू और उधमपुर में रहने वाले घाटी के विस्थापित लोगों के लिए फॉर्म-एम भरने की जटिल प्रक्रिया को समाप्त कर दिया। इसके अतिरिक्त, जम्मू और उधमपुर के बाहर रहने वाले प्रवासियों (जो फॉर्म एम जमा करना जारी रखेंगे) के लिए, भारत निर्वाचन आयोग ने फॉर्म-एम के साथ संलग्न प्रमाण पत्र के स्व-सत्यापन को अधिकृत किया है, इस प्रकार इस प्रमाण पत्र को राजपत्रित अधिकारी से सत्यापित कराने की परेशानी को दूर किया है। आयोग ने दिल्ली, जम्मू और उधमपुर के विभिन्न राहत शिविरों में रहने वाले कश्मीरी प्रवासी मतदाताओं को भी नामित विशेष मतदान केंद्रों पर व्यक्तिगत रूप से मतदान करने या डाक मतपत्र का उपयोग करने का विकल्प दिया है। जम्मू में 21, उधमपुर में 1 और दिल्ली में 4 विशेष मतदान केंद्र स्थापित किए गए।

इसी तरह, मणिपुर में आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) के लिए मतदान के अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए 10 जिलों में 94 विशेष मतदान केंद्र (एसपीएस) स्थापित किए गए। टेंग्नौपाल जिले में एक मतदाता के लिए एक विशेष मतदान केंद्र स्थापित किया गया। मतदान वेबकास्टिंग/वीडियोग्राफी के तहत आयोजित किया गया और राहत शिविरों के बाहर रहने वाले विस्थापित व्यक्ति भी एसपीएस में मतदान करने का विकल्प चुन सकते थे।

संपादकीय

तंबाकू सेवन है स्वास्थ्य के लिए हानिकारक

हर साल 31 मई को तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने साल 1987 में तंबाकू निषेध दिवस मनाने का फैसला लिया था। साल 1988 में पहली बार 31 मई को यह दिवस मनाया गया। सरकारों तथा सामाजिक संगठनों के द्वारा आमजन को तंबाकू उत्पादों के सेवन से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक किया जाता है। तंबाकू का सेवन सेहत के लिए हानिकारक होता है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोगों द्वारा इसका सेवन किया जाता है। ग्लोबल यूथ टोबैको सर्वे के अनुसार राज्य में करीब 73.3 प्रतिशत किशोर व किशोरियां तंबाकू प्रचार के संपर्क में आए। दुनियाभर में करीब 3.7 करोड़ बच्चे किसी न किसी रूप में तंबाकू का सेवन कर रहे है। भारत में 13 से 15 साल के 8.4 फीसदी बच्चे किसी न किसी रूप में इसकी जद में है। भारत में हर साल मुंह के केंसर के करीबन 77 हजार नए मामले आते है। 52 हजार से ज्यादा मौतें होती है। देश में वर्तमान में लगभग 25.1 करोड़ से ज्यादा लोग तंबाकू सेवन करते है जिनमें 79 प्रतिशत पुरूष तथा 29 फीसदी महिलाएं है। धुम्रपान एक धीमा जहर है जो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर लोगों पर असर डालता है। इसके प्रभाव से शरीर में कई प्रकार की जानलेवा बीमारियां पनपने लगती है। कैंसर के अलावा हृदय रोग और इरेक्टाइल डिसफंक्शन जैसी बीमारियां भी हो जाती है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा तंबाकू उपभोक्ता है वहीं चीन और ब्राजील के बाद सबसे बड़ा उत्पादक भी है। वर्तमान समय में ई-सिगरेट या हुक्के का चलन भी युवाओं में बढ़ रहा है। एक अनुमान के मुताबिक धुम्रपान जनित बीमारियों से भारत में हर साल होने वाली मौतों में 10 प्रतिशत ऐसे लोग होते है जो स्वयं धुम्रपान नहीं करते, लेकिन अप्रत्यक्ष तौर पर इसके प्रभाव में आ जाते है। धुम्रपान करने वालों को फेफड़ों का कैंसर होने की संभावना 15 गुना अधिक होती है। यह तमाम आंकड़े तथा जानकारी होने के बाद भी लोग इसका सेवन करते है। इस दिशा में सरकार द्वारा कई जागरूकता कार्यक्रम एवं अभियान चलाए जा रहे है। लेकिन इनका व्यापक असर नहीं दिखता। जरूरत है कि हम ऐसे लोगों को समझाए तथा उनकी धुम्रपान की लत को छुड़वाने का प्रयास करें। तंबाकू उत्पादों के उत्पादन और आपूर्ति में कमी लाई जाए। स्कूलों में किताबों के माध्यम से तंबाकू के दुष्परिणामों की जानकारी वृहद स्तर पर दी जाएं। आजकल तंबाकू उत्पादों के अप्रत्यक्ष तौर पर दिखाए जा रहे विज्ञापनों को भी रोक लगाई जाए। सार्वजनिक स्थानों पर धुम्रपान करने वालों के चालान सख्ती से हो। सकारात्मकता के साथ इन प्रयासों को निरन्तर करते हुए बढ़ते रहने की जरूरत है।

शिफा बानों ने 12वीं साइंस में हासिल किए 93.60 प्रतिशत अंक

जयपुर। राजस्थान बोर्ड ऑफ सेकंडरी एजुकेशन के हालिया घोषित हुए परिणामों में खोह नागोरियान की शिफा बानों ने 12वीं साइंस में 93.60 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। यह उपलब्धि पाकर शिफा ने ना केवल अपने परिवार का बल्कि अपने स्कूल और समुदाय का भी मान बढ़ाया है। शिफा ने यह साबित किया है कि कठिन परिश्रम और समर्पण से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उनके शिक्षकों और सहपाठियों ने शिफा की इस कामयाबी पर गर्व व्यक्त किया। शिफा ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को दिया है।

प्लास्टिक कचरा प्रबंधन पर हितधारक कार्यशाला आयोजित

जयपुर। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के अवसर पर 30 मई को राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा हितधारक कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें प्लास्टिक के बढ़ते उपयोग से पर्यावरण पर हो रहे दुष्प्रभावों को मद्देनजर रखते हुए प्लास्टिक वेस्ट प्रबंधन विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के दौरान अधीक्षण पर्यावरण अभियंता शशि चौधरी ने पीपीटी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन के लिए मंडल द्वारा किये जा रहे प्रयासों एवं नवाचारों के बारे में बताया कि प्लास्टिक का दैनिक जीवन में उपयोग को एक ओर जहाँ नकारा नहीं जा सकता, वहीं प्लास्टिक पर्यावरण को हो रहे नुकसान का एक बहुत बड़ा कारण बना हुआ है। ऐसे में प्लास्टिक रिसाइकिल करके पर्यावरण को हो रहे नुकसान से बचाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि आमजन को कचरे के पृथकीकरण के बारे में जागरूक होना चाहिए जैसे गीला कचरा एवं सूखा कचरा पृथक करके कचरा पात्रों में डाला जाये तो रिसाइ कल करना आसान होता है।

कार्यशाला के दौरान केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल, भोपाल के प्रतिनिधि अनूप चतुर्वेदी ने प्लास्टिक अपशिष्ट से सम्बंधित एसओपी की विस्तृत जानकारी दी, वहीं आईआईटी खड़गपुर के बृजेश के दुबे द्वारा परम्परागत प्लास्टिक से माइक्रो प्लास्टिक एवं हरित विकल्प, सीआईपीईटी, जयपुर के प्रतिनिधि बिष्णु प्रसाद पांडा द्वारा आईएसओ-17088 के अनुसार बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक एवं टेस्टिंग गाइडलाइन्स पर विस्तार से जानकारी दी गयी। इस दौरान उन्होंने कार्यशाला में मौजूद प्लास्टिक उत्पादक एवं रिसाइ कलर्स को प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन की तकनीकों से अवगत करवाया गया। उत्पादक, रिसाइ कलर्स, नगर निगम व डीएलबी के अधिकारियों ने भी अपनी समस्याओं पर विस्तार से बताया।

प्लास्टिक उत्पादक एवं रिसाइ कलर्स पोर्टल पर करें पंजीकरण

कार्यशाला में मौजूद राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों ने प्लास्टिक उत्पादकों और रिसाइक्लर्स से पोर्टल पर पंजीकरण कर अपनी वार्षिक रिपोर्ट करने जमा और दाखिल करने का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि ईपीआर (एक्सटेंडेड प्रोड्यूसर रिस्पांसिबिलिटी) के कार्यान्वयन को सुव्यवस्थित करने के लिए पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार ने वर्ष 2022 में प्लास्टिक पैकेजिंग के लिए एक्सटेंडेड प्रोड्यूसर रिस्पांसिबिलिटी पर दिशा निर्देशों को अधिसूचित किया था, जिसके अनुसार उत्पादकों, आयातकों ,और ब्रांड मालिकों और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रोसेसरों को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा विकसित केंद्रीकृत पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण करवाना चाहिए।

बोर्ड परीक्षा में श्रेष्ठ परिणाम वाले विद्यार्थियों किया सम्मानित

जयपुर। बोर्ड परीक्षा में जयपुर जिले के श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम वाले विद्यार्थियों को शासन सचिव, स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल ने 30 मई को फूल-माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर सम्मानित किया तथा विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर निदेशक, माध्यमिक शिक्षा आशीष मोदी, निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा सीताराम जाट एवं अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक पूनम प्रसाद सागर, समग्र शिक्षा सहितं शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों में कक्षा-10 के छात्र रोहित प्रजापत, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, नेवटा, सांगानेर, प्राप्तांक 99 प्रतिशत, छात्रा सोनू मेहरा, कक्षा-10, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, वाटिका, सांगानेर, प्राप्तांक 97.67 प्रतिशत, छात्र विजय प्रजापत, कक्षा-10, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, वाटिका, सांगानेर, प्राप्तांक 96.83 प्रतिशत, छात्रा साक्षी देवतवाल, कक्षा-12, विज्ञान वर्ग, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, वाटिका, सांगानेर, प्राप्तांक 97.40 प्रतिशत, छात्रा दीसी नागोरिया, कक्षा-12, विज्ञान वर्ग, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, वाटिका, सांगानेर, प्राप्तांक 95.40 प्रतिशत एवं 95.40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली छात्रा मीनाक्षी बैरवा, कक्षा-12, विज्ञान वर्ग, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, वाटिका, सांगानेर शामिल थे।

101 परिंडे जवाहर नगर में लगाए गए

जयपुर। लव त्रिलोकानी सामाजिक सेवा संस्थान, युवा जागृति संगठन, अमृत ग्रुप की ओर से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 1100 परिंडे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसका शुभारम्भ करते हुए 101 परिंडे जवाहर नगर स्थित विवेकानंद पार्क में लगाए गए।

कार्यक्रम संयोजक दौलत त्रिलोकानी ने बताया कि कार्यक्रम में समाज सेवी तुलसी त्रिलोकानी, राजन सरदार, गिरधारी कृष्णानी, अजय मूलचंदानी, किशन पूजानी, कुंदन लाल पठानी, विमलेश अग्रवाल, करन अलवानी, राजेश टहलानी, पंकज रायचंदानी, कमल आसवानी, राजेश गोपलानी, धर्मेंद्र त्रिलोकानी, हरनाम रुपाणी, मुकेश मोतियानी, दिनेशसाबू, राजकुमार खटवानी, प्रदीप, दिलीप भाटिया, हर्ष कलवानी, मुरली चंदनानी, होतचन्द वाधवानी, प्रकाश त्रिलोकानी, धर्मेंद्र पमनानी, जगदीश मंगलानी, मुरलीधर वासवानी, महिला अध्यक्ष पदमा हेमनानी, लक्ष्मी जैसवानी, अशोक निरंकारी, मोनिका चेतवानी, महेश खटवानी, नरेंद्र जेठवानी, रिद्धिमा रिजवानी, अमित ज्ञानचंदानी, ऋषिका वासवानी, वर्षा मानवानी, निशिता आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर दिलाई गई

जयपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों की अनुपालना में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर 31 मई को तंबाकू का सेवन नहीं करने की शपथ दिलाई गई। जयपुर के एडीआर सभागार में आयोजित हमारा संविधान हमारा सम्मान पंच प्राण ई-शपथ समारोह के दौरान जयपुर विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर द्वितीय सचिव पल्लवी शर्मा ने न्यायिक अधिकारियों, न्यायिक कर्मचारियों एवं पैरालिगल वॉलंटियर्स को तंबाकू का सेवन नहीं करने की शपथ दिलाई। साथ ही आमजन को तंबाकू के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए तंबाकू का सेवन नहीं करने के लिए प्रेरित करने का आह्वान भी किया। पल्लवी शर्मा ने इस मौके पर समारोह के प्रतिभागियों को राजस्थान विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी दी।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग महोत्सव आयोजित

बोधगया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 के उपलक्ष्य में बिहार के बोधगया में एक मेगा योग प्रदर्शन के साथ काउंटडाउन कार्यक्रम का समापन हुआ। इस विशाल कार्यक्रम का आयोजन मगध विश्वविद्यालय, बोधगया, बिहार में किया गया। 27 मई को सुर्योदय के साथ शुरू हुए इस आयोजन में 7000 से ज्यादा योग साधकों ने कॉमन योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) का पालन करते हुए योग किया। इस कार्यक्रम में लोगों के उत्साह एवं बहुमूल्य योगदान ने सामान्य जीवन में योग के महत्व को और ज्यादा मजबूत किया। सामूहिक योगाभ्यास का यह कार्यक्रम न केवल व्यक्तिगत बल्कि सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण साबित हुआ है। आयुष मंत्रालय के कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए 25 दिन शेष रहने के साथ, योग उत्सव का आयोजन बिहार के बोधगया में किया गया। इसमें विभिन्न आसन और मुद्रा जैसे प्रार्थना, योगिक सुक्ष्मामाता, ताड़ासन, वक्रासन, पाद हस्तासन, अर्ध चक्रासन, त्रिकोणासन, भद्रासन आदि शामिल हैं। मोरारजी देसाई

राष्ट्रीय योग संस्थान के निदेशक के मार्गदर्शन में उपस्थित लोगों ने बड़े उत्साह के साथ इन आसनों को किया।

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई), आयुष मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले एक स्वायत्त निकाय है जिसने हजारों कुशल योग गुरुओं को प्रशिक्षित कर हमारे देश में योग के परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके समर्पण ने यह सुनिश्चित किया है कि पूरे देश में योग को प्रभावी तरीके से बढ़ावा दिया जाए। उनके प्रयास न केवल शारीरिक कल्याण को बढ़ावा देते हैं बल्कि लोगों के बीच मानसिक और आध्यात्मिक सद्भाव में भी योगदान करते हैं। इन योग गुरुओं के प्रशिक्षण में संस्थान का योगदान भारत और उससे आगे योग के अभ्यास और दर्शन को आगे बढ़ाने के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। डॉ. काशीनाथ समगंडी, निदेशक, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) ने स्वागत भाषण के साथ ही कार्यक्रम का उद्घाटन भी किया और प्रतिभागियों को कार्यक्रम की सफ्लता में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए धन्यवाद दिया। योग के सार्वभौमिक अभ्यास को बढ़ावा देने के महत्व पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत से ही योग ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। पिछले वर्ष, दुनिया भर में 23.5 करोड़ से ज्यादा लोगों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2023 पर योग किया। आयुष मंत्रालय को विश्वास है कि इस वर्ष यह भागीदारी लगभग दोगुनी होगी। आयुष मंत्रालय, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के सहयोग से, 100 दिन, 100 शहर और 100 संगठन वाले अभियान के भाग के रूप में सामूहिक योग प्रदर्शनों और सत्रों की एक श्रृंखला आयोजित कर रहा है- आईडीवाई-2024 मनाने के लिए एक कार्यक्रम। इस पहल को स्कूलों, विश्वविद्यालयों, संस्थानों, कॉलेजों, कॉरपोरेट निकायों के साथ-साथ सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों सहित हितधारकों की एक विस्तृत श्रृंखला के सहयोग से किया जा रहा है। अर्धसैनिक बलों के जवानों ने अपने-अपने क्षेत्रों में योग को बढ़ावा देने में और योग का प्रचार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, इस प्रकार अभियान के उद्देश्यों को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके अलावा, आईटी परिसंपत्तियों का उपयोग योग अभ्यास के प्रभावी प्रसार में मदद करता है, जिससे इसकी पहुंच व्यापक होती है। लोगों तक योग की व्यापक पहुंच और जुड़ाव सुनिश्चित करते हुए, गतिशील कार्यक्रमों का आयोजन आयुष मंत्रालय, एमडीएनआईवाई और अन्य प्रतिष्ठित योग संस्थानों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर किया गया। डिजिटल प्लेटफॉर्म का लाभ उठाकर, इस आयोजन ने भौतिक स्थलों से आगे बढ़कर अपनी पहुंच का विस्तार किया, पूरी दुनिया के लोगों को योग की परिवर्तनकारी शक्ति में हिस्सा लेने के लिए सशक्त बनाया।

जिनेवा में 77वीं विश्व स्वास्थ्य सभा में डिजिटल स्वास्थ्य पर कार्यक्रम का आयोजन

भारत ने जिनेवा में आयोजित 77वीं विश्व स्वास्थ्य सभा के दौरान 29 मई को डिजिटल स्वास्थ्य पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें क्वाड देशों (ऑस्ट्रेलिया, जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका) ने भागीदारी की। आयोजन का उद्देश्य स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारकों का समाधान प्रदान करने के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की परिवर्तनकारी क्षमता पर बल देना था। इसमें 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और वैश्विक स्तर पर डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को आगे बढ़ाने में सहयोगात्मक प्रयासों पर प्रकाश डाला। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव और भारतीय प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख अपूर्व चंद्रा ने डिजिटल स्वास्थ्य में भारत की प्रगति को रेखांकित किया। उन्होंने न्यायसंगत और सुलभ स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने, सार्वभौमिक स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने में योगदान देने और सतत विकास लक्ष्य-3, यानी अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण की उपलब्धि में डिजिटल स्वास्थ्य की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने महामारी के दौरान डिजिटल पहचान के लिए आधार, वित्तीय लेनदेन के लिए यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) और को-विन के साथ प्रभावी स्वास्थ्य सेवा वितरण जैसे बड़े पैमाने पर डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को लागू करने में भारत की सफलता पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के लिए को-विन को यूविन में परिवर्तित किया जा रहा है। यह हर वर्ष 30 मिलियन नवजात शिशुओं और माताओं के टीकाकरण रिकॉर्ड को जोड़ने और उसके बाद आंगनवाड़ी और स्कूल स्वास्थ्य रिकॉर्ड प्रदान करने में सहायता करेगा। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के अंतर्गत भारत के प्रयास पर भी प्रकाश डाला। इसका उद्देश्य एक मजबूत राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम तैयार करना है। 618 मिलियन से अधिक विशिष्ट स्वास्थ्य आईडी (एबीएचए आईडी) उत्पन्न होने, 268,000 स्वास्थ्य सुविधाएं पंजीकृत होने और 350,000 स्वास्थ्य पेशेवरों को सूचीबद्ध करने के साथ, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) डिजिटल स्वास्थ्य देखभाल के लिए भारत की प्रतिबद्धता का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के हिस्से के रूप में, भारत सरकार डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के शीर्ष पर निर्मित सार्वजनिक निजी भागीदारी का लाभ उठाते हुए बीमा भुगतान इकोसिस्टम को बदलने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य दावा एक्सचेंज (एनएचसीएक्स) की शुरुआत कर रही है। यह दावों के स्वतः निर्णय के साथ वास्तविक समय निपटान के युग की शुरुआत करेगा। उन्होंने डिजिटल स्वास्थ्य का उपयोग करके स्वास्थ्य संबंधी कमियों को दूर करने के लिए भारत सरकार की अन्य पहलों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, एबी पीएमजेएवाई (आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना) दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक वित्त पोषित स्वास्थ्य बीमा योजना है जो 550 मिलियन (55 करोड़) जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर आबादी को 500,000 रुपये (5 लाख रुपये) का स्वास्थ्य बीमा प्रदान करती है। इस योजना ने 11.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर (89,000 करोड़ रुपये) मूल्य के 70 मिलियन (7 करोड़) उपचार प्रदान किए हैं। उन्होंने आगे कहा, दुनिया की सबसे बड़ी टेलीमेडिसिन पहल, ई-संजीवनी, 57 प्रतिशत महिलाओं और 12 प्रतिशत वरिष्ठ नागरिकों सहित 241 मिलियन रोगियों की सेवा करने से जेब से होने वाले खर्च में 2.15 बिलियन अमेरिकी डॉलर की बचत हुई है। इसके अतिरिक्त, टीबी प्रबंधन के लिए नि-क्षय पहल और स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए सक्षम ऑनलाइन शिक्षण मंच को भी महत्वपूर्ण डिजिटल स्वास्थ्य नवाचारों के रूप में रेखांकित किया गया।

भारत सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. बसंत गर्ग ने एक संक्षिप्त प्रस्तुति के साथ मजबूत डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के माहौल के निर्माण में भारत के अनुभवों को प्रदर्शित किया। डॉ. गर्ग ने बुनियादी ढांचे के प्रमुख घटकों और कार्यात्मकताओं का एक सिंहावलोकन प्रस्तुत किया, जिसमें दिखाया गया कि यह कैसे निर्बाध स्वास्थ्य डेटा विनिमय की सुविधा देता है, सेवा वितरण में सुधार करता है और रोगी परिणामों को बढ़ाता है। उन्होंने एक मजबूत डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम के निर्माण में भारत की यात्रा और अन्य देशों के लिए एक मॉडल के रूप में काम करने की इसकी क्षमता का वर्णन किया। कार्यक्रम का समापन विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के डिजिटल स्वास्थ्य और नवाचार के निदेशक प्रोफेसर एलेन लैब्रिक की एक और प्रस्तुति के साथ हुआ, जिन्होंने डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा को लागू करने और बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य देखभाल वितरण की सुविधा प्रदान करने में अपनी क्षमता का प्रदर्शन करने में भारत द्वारा लगाई गई बड़ी छलांग की प्रशंसा की। उन्होंने स्वास्थ्य में डिजिटल परिवर्तन में देशों का समर्थन करने में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर हेकाली झिमोमी, अतिरिक्त सचिव, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, आराधना पटनायक, अतिरिक्त सचिव केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और प्रबंध निदेशक (एनएचएम) और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मतगणना के लिए तैयारियों को दिया गया अंतिम रूप

जयपुर। लोकसभा चुनाव के तहत 04 जून को सुबह 8 बजे से जेएलएन मार्ग स्थित कॉमर्स कॉलेज में जयपुर ग्रामीण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र एवं राजस्थान कॉलेज में जयपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र की मतगणना प्रक्रिया शुरू होगी। उप जिला निर्वाचन अधिकारी नीलिमा तक्षक ने बताया कि मतगणना की आवश्यक व्यवस्थाएं एवं इंतजाम सुनिश्चित कर लिए गए हैं। जयपुर जिले के जयपुर निर्वाचन क्षेत्र एवं जयपुर ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र के लिए 218 टेबल पर 312 राउंड में 4 हजार 213 ईवीएम से एवं 97 टेबल पर डाक मतपत्र एवं ईटीपीबीएस से मतगणना होगी। उन्होंने बताया कि कॉमर्स कॉलेज में जयपुर ग्रामीण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए 106 टेबल पर 161 राउंड में 2 हजार 128 ईवीएम से एवं 50 टेबल पर डाक मतपत्र एवं ईटीपीबीएस से मतगणना होगी। तो वहीं, राजस्थान कॉलेज में जयपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए 112 टेबल पर 151 राउंड में 2 हजार 85 ईवीएम से एवं 47 टेबल पर डाक मतपत्र एवं ईटीपीबीएस से मतगणना होगी।

जयपुर ग्रामीण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में समाहित झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के लिए कॉमर्स कॉलेज के प्रथम कॉन्फ्रेंस हॉल में 20 टेबल पर 22 राउंड में 435 ईवीएम से मतगणना होगी। फुलेरा विधानसभा क्षेत्र के लिए के सेमीनार हॉल में 12 टेबल पर 22 राउंड में 257 ईवीएम से मतगणना होगी। कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र के लिए कमरा नंबर 38 में 12 टेबल पर 19 राउंड में 226 ईवीएम से मतगणना होगी। आमेर विधानसभा क्षेत्र के लिए द्वितीय कॉन्फ्रेंस हॉल में 14 टेबल पर 20 राउंड में 280 ईवीएम से मतगणना होगी। तो वहीं, विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के लिए कमरा नंबर 43 में 12 टेबल पर 19 राउंड में 226 ईवीएम से मतगणना होगी, जमवारामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के लिए कमरा नंबर 49 में 12 टेबल पर 20 राउंड में 239 ईवीएम से मतगणना होगी, शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र के लिए कमरा नंबर 16 में 12 टेबल पर 18 राउंड में 216 ईवीएम से मतगणना होगी, बानसूर विधानसभा क्षेत्र के लिए कमरा नंबर 5 में 12 टेबल पर 11 राउंड में 249 ईवीएम से मतगणना होगी, वहीं, कॉमर्स कॉलेज के लाइब्रेरी हॉल में 50 टेबिल पर जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र के डाकमत पत्रों एवं इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलेट की गणना होगी

जयपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में समाहित बगरू विधानसभा क्षेत्र के लिए राजस्थान कॉलेज के प्रथम कॉन्फ्रेंस हॉल में 18 टेबल पर 20 राउंड में 351 ईवीएम से मतगणना होगी, किशनपोल विधानसभा क्षेत्र के लिए कमरा नंबर 34 में 12 टेबल पर 15 राउंड में 170 ईवीएम से मतगणना होगी, सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के लिए द्वितीय कॉन्फ्रेंस हॉल में 18 टेबल पर 19 राउंड में 341 ईवीएम से मतगणना होगी, आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र के लिए कमरा नंबर 40 में 12 टेबल पर 21 राउंड में 249 ईवीएम से मतगणना होगी। सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र के लिए कमरा नंबर 46 में 12 टेबल पर 19 राउंड में 221 ईवीएम से मतगणना होगी, मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र के लिए राजस्थान कॉलेज के कमरा नंबर 48 में 12 टेबल पर 16 राउंड में 187 ईवीएम से मतगणना होगी, हवामहल विधानसभा क्षेत्र के लिए राजस्थान कॉलेज के कमरा नंबर 53 में 12 टेबल पर 20 राउंड में 240 ईवीएम से मतगणना होगी, विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के लिए कमरा नंबर 33 में 16 टेबल पर 21 राउंड में 326 ईवीएम से मतगणना होगी। तो वहीं, राजस्थान कॉलेज में 47 टेबल पर जयपुर लोकसभा क्षेत्र के डाकमत पत्रों एवं इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलेट की गणना होगी।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतगणना स्थलों की सुरक्षा के लिए त्रि-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। वहीं, मतगणना की संपूर्ण प्रक्रिया के सफ्ल एवं निर्बाध संपादन के लिए राजस्थान कॉलेज एवं कॉमर्स कॉलेज में पर्यवेक्षक कक्ष, जिला निर्वाचन अधिकारी कक्ष, नियंत्रण कक्ष-कंप्यूटर, साख्यिकी प्रकोष्ठ, मीडिया प्रकोष्ठ, पुलिस गार्ड, डीएसओ प्रकोष्ठ, कार्मिक प्रकोष्ठ, मतगणना स्टोर, सीसीटीवी एवं कंट्रोल रूम, डाक मतपत्र प्रकोष्ठ, ईटीपीबीएस स्कैनिंग कक्ष सहित अन्य प्रकोष्ठों के लिए भी नियंत्रण कक्षों की स्थापना की गई है।

विश्व पर्यावरण दिवस : ओसीईएमएस एवं हजार्डियस अपशिष्ट प्रबंधन पर कार्यशाला आयोजित

ओसीईएमएस के जरिये प्रदूषण उत्सर्जन पर रखी जा रही सतत निगरानी : नेहा अग्रवाल

जयपुर(नि.सं.)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित की जा रही हितधारक कार्यशाला के तीसरे दिन नगर निगम एवं नगर पालिकाओं द्वारा संचालित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के लिए ओसीईएमएस (Online Continuous Emission/Effluent monitoring Systems) पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर अधीक्षण वैज्ञानिक अधिकारी श्रीमती नेहा अग्रवाल ने पीपीटी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से ओसीईएमएस तकनीक की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि राज्य में लगभग 600 उद्योगों में ओसीईएमएस के जरिये प्रदूषण उत्सर्जन पर निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि मंडल प्रशासन ओसीईएमएस से मिलने वाले डाटा को लेकर सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है,

वहीं जिन उद्योगों में ओसीईएमएस का डाटा सही प्राप्त नहीं हो रहा उन्हें समय-समय पर नोटिस दिया रहा है। इस दौरान उन्होंने ओसीईएमएस की कार्यप्रणाली एवं तकनीकी पहलुओं पर भी विस्तार से चर्चा की।

iTVoice® all things tech.

India's Premier IT Magazine & First Daily Tech News OTT

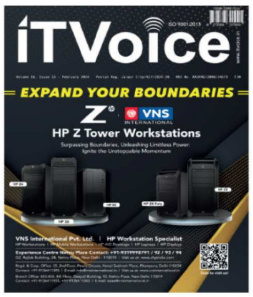

Magazines & Newspapers

Highest Digital Presence

www.itvoice.in

Daily Tech News & Podcasts

Contact for Print & Digital Marketing

+91 141 4014911

info@itvoice.in

ICPL

www.icpljpr.com

Professional IT Support

Domain & Hosting
Web Development
Customized Software Solution
Web Operation
Client / Server Management
Network Maintenance
Service Desk Support
Customized IT Support Services
Dealing in all Major Brands

Informatic Computech Private Limited

Jaipur - Rajasthan (Ph.) +91-141-2280510 md@icpljpr.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक तरूण कुमार टांक के लिये महारानी प्रिन्टर्स प्लाट नं. 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 52/121, वीरतेजाजी रोड, मानसरोवर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक-तरूण कुमार टांक Email: mahanagarstambh@gmail.com